

प्रेषक,

राकेश शर्मा  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
देहरादून।

खेल अनुभाग

देहरादून दिनांक : 31 अक्टूबर, 2007

**विषय:-** जनपद नैनीताल के अन्तर्गत हल्द्वानी में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम के निर्माण हेतु 15.20 हेक्टेयर वन भूमि का खेल विभाग को हस्तान्तरण के सम्बंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2803/व.भू.प.स्टे.प./2007-08 दिनांक-11 सितम्बर 2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त पत्र के प्रस्तावानुसार जनपद नैनीताल के अन्तर्गत हल्द्वानी में अन्तर्राष्ट्रीय स्टेडियम के निर्माण हेतु 15.20 हे० वन भूमि खेल विभाग को हस्तान्तरण हेतु आवश्यक धनराशि रुपये 1,17,10,240.00 (एक करोड़ सत्रह लाख दस हजार दो सौ चालीस मात्र) हेतु श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित मदों हेतु उल्लिखित शर्तों के अन्तर्गत आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

1.	एन.पी.वी.	रुपये	88,16,000.00
2.	क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण	रुपये	15,38,240.00
3.	हाथी कारीडोर एवं वन्य जीवों के संरक्षण हेतु देय धनराशि रुपये	रुपये	8,00,000.00
4.	प्रभावित होने वाले वृक्षों की धनराशि	रुपये	15,000.00
5.	सीमांकन हेतु आर.सी.सी.पिलर	रुपये	41,000.00
6.	रिक्त स्थानों पर वृक्षारोपण	रुपये	5,00,000.00
योग		रुपये	1,17,10,240.00

- 1- प्रत्येक मद पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 2- कार्यवाही कराने से पूर्व स्थल का भूतल-भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 3- जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।
2. उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिए यह स्वीकृत किया जा रहा हो। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन

करने से पूर्व रक्षण अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में वित्तव्ययता विज्ञान आवश्यक है। व्यय करते समय वित्तव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शारनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर भूजीगत परिव्यय-03-खेलकूद तथा युवक सेवा खेलकूद स्टेडियम-00-102-खेलकूद स्टेडियम (लघु शीर्षक-108 के स्थान पर) -07 हल्द्वानी के स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण 24 वृहद निर्माण कार्य आयोजनागत (सह्य सेक्टर) पथ के नामें डाला जायेगा।

उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के असारणीय पत्र संख्या-270(पी)/वित्त अनु-3/2007 दिनांक-30 अक्टूबर, 2007 में प्राप्त उनकी राहगति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय

(राकेश शर्मा)  
सचिव

पृष्ठांक संख्या-345 /VI-1/2007-2(4)2007, तददिनांकित।

- प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओवरस वििल्डिंग, देहरादून।
  2. निजी सचिव, मा० मुख्यामंत्री, मा० मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
  3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
  4. जिलाधिकारी, नैनीताल।
  5. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
  6. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड देहरादून।
  7. एन०आई०सी० देहरादून, सचिवालय।
  8. माई फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)  
अनुसचिव